Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2024, E-Journal, Vol. I, Issue XLVI, ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

उत्तराखण्ड के माध्यम से भारत–नेपाल सीमा पर संचालित अनौपचारिक और औपचारिक व्यापार में महिलाओं की भागीदारी का अध्ययन

शान्ति* डॉ. अभिषेक कुमार पंत**

* सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) स्वा.वि.रा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लोहाघाट (उत्तराखण्ड) भारत
** सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) ल.सिं.म.रा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड) भारत

शोध सारांश – इस आलेख का मुख्य उद्देश्य उत्तराखण्ड के माध्यम से भारत–नेपाल सीमा पर संचालित अनौपचारिक और औपचारिक व्यापार में महिलाओं की भागीदारी को जानना है। इस सर्वेक्षण में अनौपचारिक व्यापार में भारत एवं नेपाल दोनों देशों के व्यापारियों को सम्मिलित किया गया है जबकि औपचारिक व्यापार में केवल भारत के ही व्यापारियों को सम्मिलित किया गया है। इस सर्वेक्षण आधारित प्रयास में हमने(भारत एवं नेपाल सीमा) उत्तराखण्ड के तीन पारगमन बिन्दुओं के अनौपचारिक व्यापारियों की पहचान कर उनसे संपर्क स्थापित कर व्यापार संबंधी आकड़ें एकत्रित किये हैं।इस शोध पत्र में यह जाानने का प्रयास किया गया है कि सीमापार अनौपचारिक एवं औपचारिक व्यापार में संलग्न व्यापारियों की विशेषताएं क्या हैं? यानी वे कौन हैं?व्यापारी पर पारिवार के सदस्यों की निर्भरता अनुपात क्या है? वर्तमान व्यापार में संलग्न होने से पूर्व वे क्या करते थें?विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि औपचारिक व्यापार की तुलना में अनौपचारिक व्यापार में महिलाओं की सहभागिता अधिक है। औपचारिक व्यापार में संलग्न महिला व्यापारियों की तुलना में अनौपचारिक व्यापार में संलग्न महिला व्यापारियों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है।

शब्द कुंजी – अनौपचारिक व्यापार, औपचारिक व्यापार, महिला सहभागिता, सीमा–पार, उत्तराखण्ड।

प्रस्तावना – प्रस्तुत शोध में औपचारिक व्यापार का अभिप्राय उस व्यापार से है जो अधिकारिक आँकड़ों में दर्ज किया जाता है। औपचारिक व्यापार में व्यापारी विदेश व्यापार निदेशालय(डी.जी.एफ.टी.) द्वारा जारी इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कोडप्राप्त कर आयात–निर्यात करते हैं। जबकि अनौपचारिक व्यापार का अभिप्राय उस व्यापार से है जो आधिकारिक आँकड़ों में दर्ज नहीं किया जाता है। अनौपचारिक व्यापार में संलग्न व्यापारी बिनाआई0ई0 कोड प्राप्त किये अवैध रूप से आयात–निर्यातकरते है। अनौपचारिक व्यापार से प्राप्त आय को किसी भी देश की राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाता है जबकि औपचारिक व्यापार से प्राप्त आय को राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है। अनौपचारिक व्यापार मौजूदा सरकारी कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करके संचालित की जाती है जबकि औपचारिक व्यापार मौजूदा सरकारी कानूनी प्रावधानों का पालन करके संचालित की जाती है । सरल भाषा में अनौपचारिक व्यापार का मतलब वह व्यापार है जो औपचारिक नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार औपचारिक व्यापार के साथ–साथ अनौपचारिक व्यापार में भी हो सकता है। वर्तमान अध्ययन के उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए भारत और नेपाल के बीच उत्तराखण्ड के माध्यम से संचालित हो रहे व्यापार पारगमन बिन्दुओं केतीन लैंड कस्टम स्टेशन को सम्मिलित किया गया है। औपचारिक व्यापार के अध्ययन के लिए वर्तमान में डी.जी.एफ.टी.(Directorate General of Foreign Trade) द्वारा जारी आई0ई0 (import Export) कोड धारक केवल भारत के व्यापारियों को सम्मिलित किया गया है जबकि अनौपचारिक व्यापार के अध्ययन के लिए भारत एवं नेपाल दोनों देशों के व्यापारियों को सम्मिलित किया है। इस शोध पत्र के अध्ययन के लिए अनौपचारिक व्यापार को आधिकारिक आँकड़ों में गैर– रिकॉर्ड किए गए व्यापार प्रवाह के रूप में परिभाषित किया गया है जो दोनों देशों मे मौजूदा कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करके संचालित होता है। वर्तमान अध्ययन के संदर्भ में अनौपचारिक व्यापार हेतु उन्हीं व्यापारियों को सम्मिलित किया गया है जो **उपभोक्ता उत्पादों** का आयात–निर्यात करते हैं। **इसमें नशीली पदार्थ, नशीली दवाएं, हथियारों एवं मानव की तस्करी को अपवर्जित किया गया है।** सीमावर्ती क्षेत्रों में अनौपचारिक सीमा–पार व्यापार को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता है। इस व्यापार में जोखिम एवं उच्च लाभप्रदता बहुत अधिक होता है। अनौपचारिक व्यापार सीमावर्ती क्षेत्रों के आर्थिक गतिविधि और अदृश्य क्षेत्रीय एकीकरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। दोनों देशों के बीच अनौपचारिक व्यापार के आकार और कुल व्यापार का आकलन करना बहुत मुश्किल है। साथ ही अनौपचारिक व्यापार का दशकों से विद्यमान होने के कारणों को समझना भी महत्वपूर्ण है।

साहित्य पूर्वावलोकन :

Taneja Nisha, & Pohit Sanjib (February 2002) यह अध्ययन बताता कि भारत से नेपाल में व्यापार किया जाने वाला सामान बड़े पैमाने पर नेपाल की सीमा से लगे भारतीय राज्यों बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल से खरीदा जाता है। दूसरी ओर, नेपाल से भारत में अनौपचारिक रूप से व्यापार किए जाने वाले सामान ज्यादातर तीसरे देशों से आते हैं। जिनमें सबसे महत्वपूर्ण चीन, जापान, थाईलैंड, हांगकांग और सिंगापुर हैं। यह अध्ययन अपने निष्कर्ष में यह बताता है कि जब तक औपचारिक व्यापारियों

के लेनदेन के माहौल में सुधार नहीं होता है, तब तक अनौपचारिक व्यापार औपचारिक व्यापार के साथ सह-अस्तित्व में बना रहेगा। भले ही भारत और नेपाल के बीच मुक्त व्यापार स्थापित हो।

Njikam Ousmanou and Tchouassi Gerard(November 2010) इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य सीमापार व्यापारियों की विशेषताओं, आई.सी.बी.टी. के माध्यम से पेश किए गए अवसरों और मुकाबला रणनीतियों पर साक्ष्य प्रदान करना है। साथ ही सीमापार अनौपचारिक व्यापार में पुरूषों और महिलाओं को अनुमति देने या बाधा डालने वाले सामाजिक-आर्थिक कारकों की पहचान करना हैं। व्यापारिक विशेषताओं के संबंध में, विश्लेषण से संकेत मिलता है कि, मध्यम आयु वर्ग (20 से 39 वर्ष) के भीतर महिला व्यापारियों की उम्र पुरूषों की तुलना में अधिक है। निर्णयन की बात करें तो पुरूष व्यापारियों की तुलना में महिलाओं का अनुपात अधिक है और उन्होंने स्वयं निर्णय लेने की बात कही है।यह शोध पत्र यह भी बताता है कि 1980 के दशक के आर्थिक संकट और संरचनात्मक समायोजन के कार्यान्वयन के बाद, कई लोग जीविकोपार्जन की आशा के साथ अनौपचारिक क्षेत्र में स्थानांतरित हो गए।

Njkam Ousmanou (August 2011) इस शोध पत्र में तीन सीमा स्थलों कैमरून-नाइजीरिया,कैमरून-गिनी इक्वेटोरियल एवं कैमरून - गैबॉन को कवर किया गया है। इस सर्वेक्षण में अनौपचारिक सीमापार व्यापार के माध्यम से क्या अवसर प्रदान किये जाते है? इन अवसरों की प्राप्ति में क्या व्यावसायिक एवं संस्थागत बाधाएं बाधक हैं? इनसे मुकाबला करने वाले तंत्र क्या है? क्या वे लिंग से भिन्न है? मुद्दों पर अध्ययन किया गया। इस सर्वेक्षण से वैवाहिक स्थिति के संबंध में पता चलता है कि महिला व्यापारी और पुरूष व्यापारी समान प्रतिशत में विवाहित थे। परन्तु बहुविवाह में होने की संभावना पुरूषों की तुलना में महिलाएं अधिक थी। इस अध्ययन से पता चलता है कि निवास स्थिति और राष्ट्रीय मूल से पता चला कि अधिकांश पुरूष और महिला व्यापारी सीमा चौकी के निवासी थे।

SAWTEE Report(19 February 2020) रिर्पोट के अनुसार भारत नेपाल के मध्य अनौपचारिक व्यापार में महिलाओं को ज्यादा अनौपचारिक व्यापार के लिए उपयोग किया जाता है। भारत से सामान लाने वाले महिलाओं को अपेक्षाकृत कम जाँच किया जाता है। यह रिपोर्ट बताता है कि नेपाल भारत से कृषिगत सामग्री को प्रति वर्ष अनौपचारिक व्यापार के माध्यम से आयात करता है। जिसका मुख्य कारण कीमत में अंतर, खराब बाजार की स्थिति, कम परिवहन लागत व स्थानीय बाजार की निकटता है।

अध्ययन की आवश्यकता

अध्ययन की आवश्यकता को हम निम्नलिखित रूप में देख सकते है-

1. **अनौपचारिक एवं औपचारिक व्यापार में महिला सहभागिता -** यह अध्ययन हमें बताएगा कि अनौपचारिक व्यापार एवं औपचारिक व्यापार में कितनी महिलाएं प्रतिभाग करती है।
2. **अनौपचारिक व्यापार में महिलाओं की सहभागिता का कारण -** हमें ये जानने की जरूरत है किउच्च जोख़िम वाले अनौपचारिक व्यापार में महिलाएं क्यों प्रतिभाग करती है।
3. **व्यापार में संलग्नता का व्यापारी के विशेषताओं से संबंध -**इस अध्ययन से हमें पता चलेगा औपचारिक एवं अनौपचारिक व्यापार में संलिप्त व्यापारी किस आयु, समाजिक परिवेशएवं शैक्षिक पृष्ठभूमि से आते है?

अध्ययन के उद्देश्य-भारत और नेपाल के बीच औपचारिक एवं अनौपचारिक व्यापार में महिलाओं की सहभागिता का अध्ययन करना।

अध्ययन क्षेत्र-प्रस्तुत अध्ययन में **अनौपचारिक व्यापार के अध्ययन** हेतु उत्तराखण्ड से लगे निम्नलिखित तीन सीमा क्षेत्रों में स्थित पारगमन बिन्दुओं को शामिल किया गया हैं- 1. धारचूला,पिथौरागढ़(भारत)-दार्चुला(नेपाल) 2. झूलाघाट,पिथौरागढ़(भारत)-बैतड़ी(नेपाल) 3. बनबासा, चम्पावत(भारत)-कंचनपुर,महेन्द्रनगर(नेपाल)।

औपचारिक व्यापार के अध्ययन हेतु उत्तराखण्ड, के पिथौरागढ़जिला में स्थित धारचूला, झूलाघाट एवं चम्पावत जिला में स्थित बनबासा पारगमन बिन्दु को शामिल किया गया है।

शोध पद्धति-शोध कार्य में मुख्यत: वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध प्रारूप विधि का प्रयोग किया गया है।तथ्य संकलन के लिए प्राथमिक स्रोतों का प्रयोग किया गया है।

प्रतिदर्श चयन प्रविधि-अनौपचारिक व्यापार के अध्ययन हेतु समग्र की आधिकारिक जानकारी नहीं होने के कारण तथ्य संकलन के लिए उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग करते हुए भारत से 75 एवं नेपाल से कुल 75 व्यापारियों का चुनाव किया गया। जबकि औपचारिक व्यापार में व्यापारियों की संख्या न्यून होने के कारण वर्तमान में औपचारिक व्यापार में संलग्न सभी 16 भारतीय व्यापारियों को प्रतिदर्श के रूप में चुना गया।

विश्लेषण-स्वनिर्मित प्रश्नावली, संरचित साक्षात्कार एवं प्रतिवादी अवलोकन के द्वारा एकत्रित आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण।

व्यापारियों की विशेषताएं-व्यापारियों की विशेषताओं को समझने का मुख्य उद्देश्य इस प्रश्न का उत्तर जानना है कि अनौपचारिक एवं औपचारिक व्यापारी कौन है? व्यापारियों को समझने के लिए आयु, वैवाहिक स्थिति, शिक्षा का स्तर, व्यापार में प्रवेश से पूर्व की गतिविधि, वर्तमान प्राथमिक गतिविधि,एवं व्यापारी पर पारिवार के सदस्यों की निर्भरताअनुपात कीआलोचनात्मक परीक्षण किया गया है।

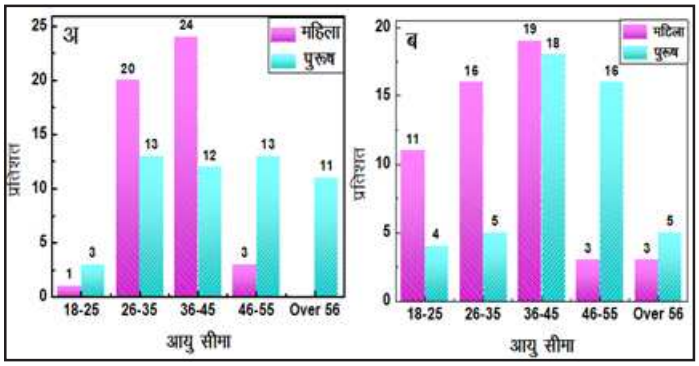

चित्र संख्या-01: अनौपचारिक व्यापार में संलिप्त (अ) भारत के एवं (ब) नेपाल के व्यापारियों की आयु प्रतिशत में

आयु-अनौपचारिक व्यापार में महिला एवं पुरूष व्यापारियों की आयु प्रतिरूप में मुख्य अंतर सीमापार व्यापारिक गतिविधियों में जोख़िम अधिक होना है। भारत के परिपेक्ष्य में देखा जाए तो 56 से अधिक आयु वर्ग में वर्तमान में एक भी महिला व्यापारी व्यापार में संलिप्त नहीं है जबकि नेपाल में 03 प्रतिशत महिला व्यापारी अभी भी इस आयु वर्ग से व्यापार में संलिप्त है। युवा महिला व्यापारियों की बात की जाए तो भारत में 01 प्रतिशत एवं नेपाल में 11 प्रतिशत है। उपरोक्त चित्र से स्पष्ट होता है कि दोनों ही देश में 36 से 45 आयु सीमा वर्ग में आने वाले महिला व्यापारी सर्वाधिक है। उत्तरदाताओंके

साथ चर्चा से पता चलता है कि भारत एवं नेपाल दोनों ही देशों में अधिकांश महिलाएं इस व्यापार में पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते संलग्न होते हैं।

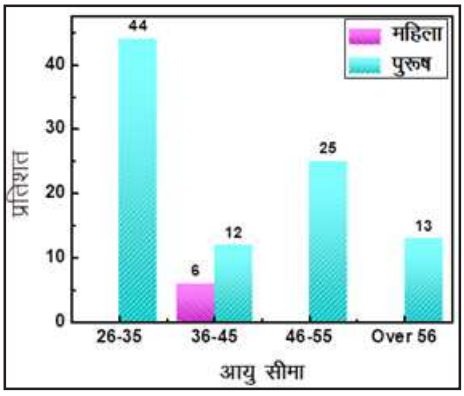

चित्र संख्या–02: औपचारिक व्यापार में संलिप्त भारत के व्यापारियों की आयु प्रतिशत में

चित्र संख्या 02वर्तमान में औपचारिक व्यापार में संलिप्त व्यापारियों की आयु प्रतिरूप को दर्शाता है। इस चित्र से पता चलता है कि 26 से 35 आयु वर्ग में सर्वाधिक 44 प्रतिशत पुरूष औपचारिक व्यापार में भाग लेते है जबकि महिला सहभागिता केवल 06 प्रतिशत है जो 36 से 45 आयु वर्ग सीमा में आते हैं।

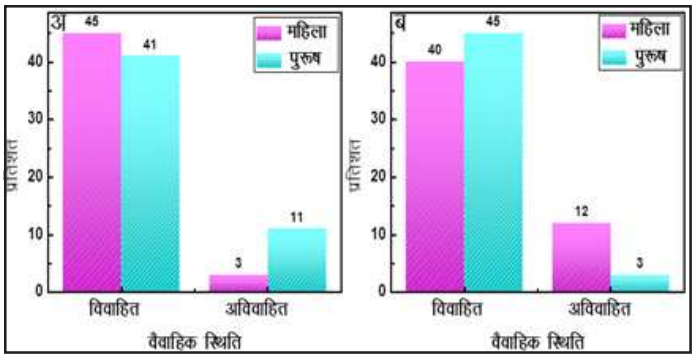

चित्र संख्या –03:अनौपचारिक व्यापार में संलिप्त (अ) भारत के एवं (ब) नेपाल केव्यापारियों की वैवाहिक स्थिति प्रतिशत में

वैवाहिक स्थिति–चित्र संख्या 03 दोनों देशों के अनौपचारिकव्यापारियोंके वैवाहिक स्थिति के प्रतिरूप का प्रतिवेदन देता है। चित्र द्धारा स्पष्ट है कि कुल महिला उत्तरदाताओं में भारत के 45 प्रतिशत एवं नेपाल के 40 प्रतिशत महिलाएं विवाहित है। अध्ययन में शामिल महिलाओंमें भारत के 03 प्रतिशत एवं नेपाल के 12 प्रतिशत प्रतिवादी अविवाहित है। दोनों ही देशों में महिला एवं पुरूष व्यापारियों के वैवाहिक स्थिति की तुलना करने पर यह ज्ञात होता है कि भारत में पुरूषों की तुलना में अधिकांश महिलाएं विवाहित है जबकि नेपाल में महिलाओं की तुलना में अधिकांश पुरूष विवाहित है।

प्रतिवादी अवलोकन एवंउत्तरदाताओं के साथ बातचीत से पता चलता है कि भारत की अधिकांश महिलाएं विवाह के पश्चात ही व्यापार में संलिप्त होते हैं। जबकि नेपाल में काफी कम उम्र से अधिकांश महिलाएं आयात–निर्यात गतिविधि के अंर्तगत वस्तुओं के परिवहन का काम करती हैं।

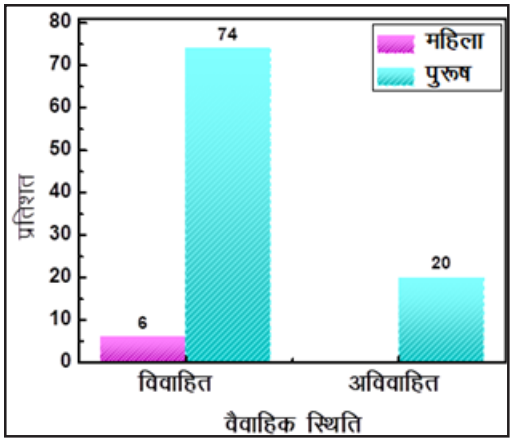

चित्र संख्या –04: औपचारिक व्यापार में संलिप्त भारत के व्यापारियों की वैवाहिक स्थिति प्रतिशत में

चित्र संख्या 04 स्पष्ट करता है कि भारत के औपचारिक व्यापारियों में से 75 प्रतिशत पुरूष व्यापारी विवाहित है और 20 प्रतिशत पुरूष व्यापारी अविवाहित है। औपचारिक व्यापार में 06 प्रतिशत महिला व्यापारी विवाहित है।

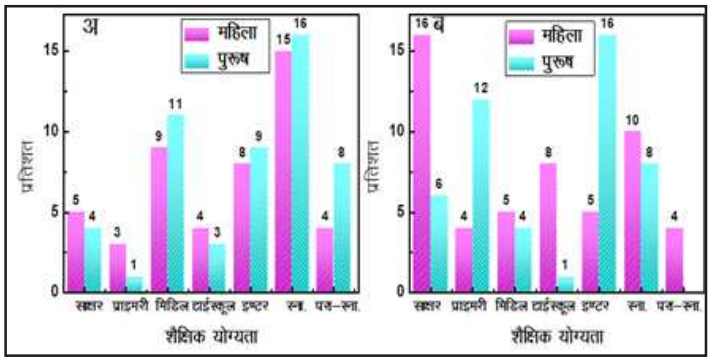

चित्र संख्या–05:अनौपचारिक व्यापार में संलिप्त (अ) भारत के एवं (ब) नेपाल केव्यापारियों की शैक्षिक योग्यता प्रतिशत में

चित्र संख्या 05अनौपचारिक व्यापारियों की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाता है। सीमापार अनौपचारिक व्यापारियों में महिलाओं और पुरूषों के शैक्षिक उपलब्धि में ज्यादा अंतर नहीं है। व्यापारियों के शैक्षिक उपलब्धि की गहनता से अध्ययन करने के लिए शिक्षा को 07 स्तरों में विभक्त किया गया। शिक्षा के पहले स्तर से स्पष्ट होता है कि भारत एवं नेपाल के कुल उत्तरदाताओंमें 05 प्रतिशत महिला, 04 प्रतिशत पुरूष एवं नेपाल केकुल उत्तरदाताओं में 16 प्रतिशत महिला, 06 प्रतिशत पुरूष साक्षर है। भारत के कुल उत्तरदाताओं में 15 प्रतिशतमहिला, 16 प्रतिशत पुरूष एवं नेपाल के 10 प्रतिशत महिला ,08 प्रतिशत पुरूष व्यापारियों ने स्नातक की डिग्री हासिल की है।

उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट होता है कि अनौपचारिक व्यापार में भारत के 91 प्रतिशत एवं नेपाल के 78 प्रतिशत व्यापारियों ने औपचारिक शिक्षा ली है।

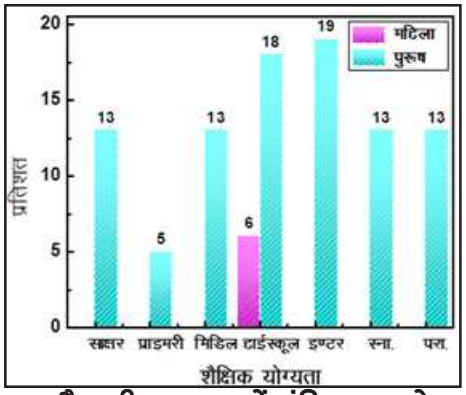

चित्र संख्या-06:औपचारिक व्यापार में संलिप्त भारत के व्यापारियों की शैक्षिक योग्यता प्रतिशत में

चित्र संख्या 06 से स्पष्ट होता है कि औपचारिक व्यापार में महिला व्यापारियों की तुलना में पुरूष व्यापारियों की शैक्षिक योग्यता अधिक है।प्रतिवादी अवलोकन से पता चलता है कि जिन उत्तरदाताओं ने स्नातक अथवा स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है उन सभी व्यापारियों ने अपने व्यापार के साथ औपचारिक शिक्षा पूरी की है। व्यापारियों का मानना है कि औपचारिक शिक्षा व्यापार में उन्हें अधिक मदद नहीं करती है।

चित्र संख्या 05 और 06 से स्पष्ट होता है कि औपचारिक एवं अनौपचारिक महिला व्यापारियों के शैक्षिक उपलब्धि की तुलना की जाये तो अनौपचारिक व्यापार में संलिप्त महिलाओं ने औपचारिक शिक्षा के उच्च स्तर की डिग्री हासिल की है।

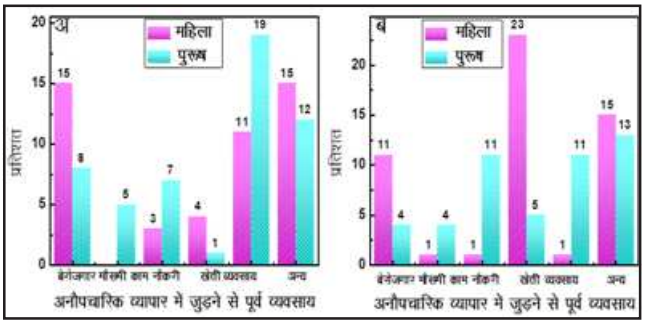

चित्र संख्या-07:अनौपचारिक व्यापार में संलिप्त (अ)भारत के एवं (ब) नेपाल के व्यापारियों की अनौपचारिक व्यापार में जुड़ने से पूर्व व्यवसाय

चित्र संख्या 07 के अध्ययन से पता चलता है कि अनौपचारिक व्यापार में जुड़ने से पूर्वभारत के 14 प्रतिशत महिला व्यापारी एवं नेपाल के केवल 02 प्रतिशत महिला व्यापारी ही प्रत्यक्ष रूप से आर्थिक गतिविधियों से जुड़े थे। मौसमी काम में भारत की महिलाओं की प्रतिभागिता शून्य है जबकि नेपाल में केवल 01 प्रतिशत महिला ही प्रतिभाग करती थी। महिला उत्तरदाताओं से बातचीत से पता चलता हैं कि दोनों ही देशों के अधिकांश महिला व्यापारी अपने परिवार एवं बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से आकर पारगमन बिन्दु के कस्बों में बसे हैं।

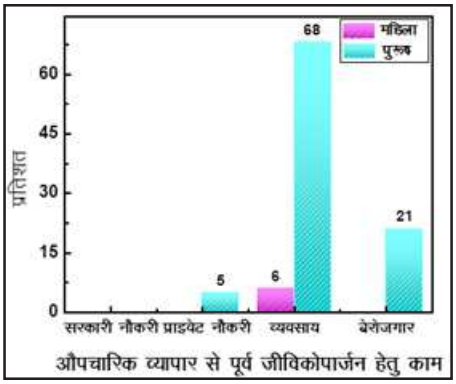

चित्र संख्या-08:औपचारिक व्यापारमें जुड़ने से पूर्व भारतीय व्यापारियों की जीविकोपार्जन हेतु कामचित्र संख्या 08 से स्पष्ट होता है कि औपचारिक व्यापार में संलग्न 79 प्रतिशत व्यापारी पूर्व से ही आर्थिक गतिविधियों सेप्रत्यक्ष रूप से जुड़ें थे। पूर्व से ही समस्त महिला व्यापारी आर्थिक गतिविधियों सेप्रत्यक्ष रूप से जुड़ें थे।

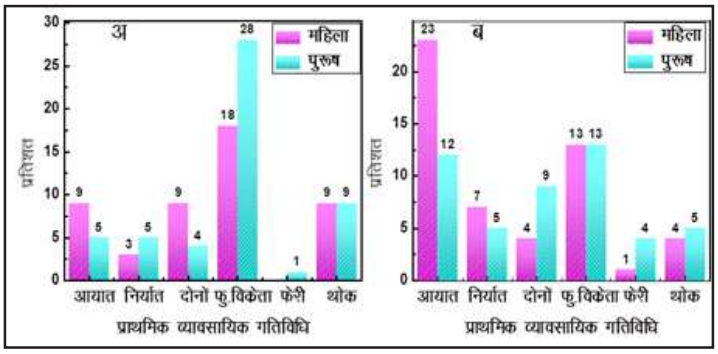

चित्र संख्या-09:अनौपचारिक व्यापार में संलिप्त (अ) भारत के एवं (ब) नेपाल के व्यापारियों की प्राथमिक व्यावसायिक गतिविधि प्रतिशत में

चित्र संख्या 09 से स्पष्ट होता है कि वर्तमान में भारत के सर्वाधिक अनौपचारिक महिला व्यापारी फुटकर विक्रेता है। जबकि नेपाल के सर्वाधिक अनौपचारिक महिला व्यापारी आयात गतिविधि से जुड़ें हैं।प्रतिवादी अवलोकन से ज्ञात होता है कि दोनों देशों के प्रतिवादी जो मुख्य रूप से आयात एवं निर्यात गतिविधियों से जुड़ें हैं ऐसे सभी व्यापारी स्वयं उत्पादों का आयात-निर्यात करते हैं। इन उत्पादों को या तो वे स्वयं विक्रय करते हैं या दोनों देशों के व्यापारी अपने-अपने क्षेत्रों से उत्पाद की मांग एकत्रित कर मांगकर्ताओं तक पहुंचाते हैं। सीमापार व्यापार में पारगमन बिन्दुओं में उत्पादों के परिवहन का काम मुख्यत: दोनों देशों में महिलाएं अधिक करती है। पारगमन बिन्दु बनबासा-महेन्द्रनगर में मोटर मार्ग द्वारा अधिकांश व्यापारी साइकिल से माल का परिवहन करते है। जबकि धारचूला-दार्चुला, झूलाघाट-बैतड़ी पारगमन बिन्दुओं में व्यापारी पैदल ही उत्पादों का परिवहन करते हैं।

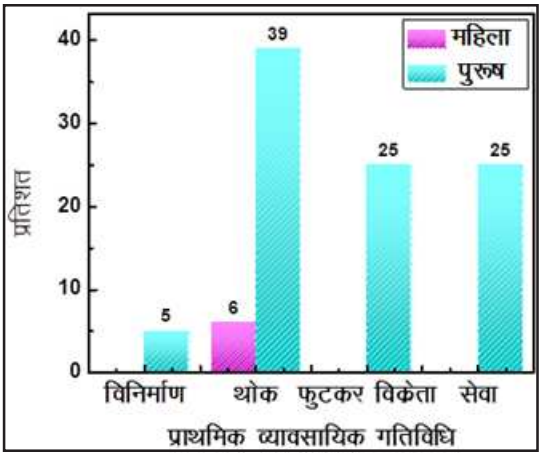

चित्र संख्या– 10: औपचारिक व्यापार में संलिप्त भारत के व्यापारियों की प्राथमिक व्यावसायिक गतिविधिप्रतिशत में

चित्र संख्या 10 से स्पष्ट होता है कि औपचारिक व्यापार में संलग्न सभी महिलाएं थोक व्यापार से जुड़ें हैं। औपचारिक और अनौपचारिक व्यापारियों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि महिलाएं अधिक अनौपचारिक व्यापार से जुड़ें हैं। अनौपचारिक व्यापार की तुलना में औपचारिक व्यापार में संलग्न पुरूष व्यापारी अधिक थोक व्यापार से जुड़ें हैं। औपचारिक व्यापार में संलग्न समस्त व्यापारी स्वयं ही निर्यात का भी कार्य करते है।

अनौपचारिक व्यापारी पर पारिवार के सदस्यों की निर्भरता अनुपात –प्रश्नावलीमें पूछे गये प्रश्न के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि भारत में क्रमश: 05:02 महिला एवं 06:03 पुरूष व्यापारी, नेपाल में 06:02 महिला एवं 07:03 पुरूष, व्यापारी पर परिवार के सदस्यों की औसत निर्भरता है। अर्थात भारत में महिला व्यापारी के परिवार में 02 कमाने वाले पर 05 लोग निर्भर है जबकि पुरूष व्यापारी के परिवार में 03 कमाने वालों पर 06 लोग निर्भर है। नेपाल में महिला व्यापारी के परिवार में 02 कमाने वाले पर 06 लोग निर्भर है जबकि पुरूष व्यापारी के परिवार में 03 कमाने वालों पर 07 लोग निर्भर है। उपरोक्त तथ्य से स्पष्ट होता है कि औपचारिक व्यापार की तुलना में अनौपचारिक व्यापार में महिलाओं की सहभागिता अधिक होने का एक प्रमुख कारण पारिवारिक आर्थिक जिम्मेदारी है।

औपचारिक व्यापारीपर पारिवार के सदस्यों की निर्भरता अनुपात – औपचारिक व्यापार में व्यापारी पर परिवार के सदस्यों की औसत निर्भरता 03:01 महिला एवं 06:02 पुरूष, है। अर्थात भारत में महिला व्यापारी के परिवार में 01 कमाने वाले पर 03 लोग निर्भर है जबकि पुरूष व्यापारी के परिवार में 02 कमाने वालों पर 06 लोग निर्भर है।

निष्कर्ष–अनौपचारिक व्यापार में महिलाओं की सहभागिता भारत में 48 प्रतिशत एवं नेपाल में 52 प्रतिशत है। जबकि औपचारिक व्यापार में केवल 06 प्रतिशत है। अनौपचारिक व्यापार में संलिप्त अधिकांश महिला व्यापारी पारिवारिक आर्थिक जिम्मेदारी के कारण विवाह के पश्चात ही अनौपचारिक व्यापार में प्रवेश करते है। भारत की तुलना में नेपाल के उत्तरदाताओं के शैक्षिक योग्यता में लिंग अंतर देखने को मिलता है। भारत मेंऔपचारिकव्यापार की तुलना में अनौपचारिक व्यापार में महिलाएं अधिक शिक्षित हैं। यह तथ्य स्पष्ट करता है कि अनौपचारिक व्यापार में जुड़ने का शैक्षिक उपलब्धि से कोई संबंध नहीं है।भारत एवं नेपाल दोनों देशों के अधिकांश महिला व्यापारी अनौपचारिक व्यापार में जुड़ने से पूर्व किसी भी प्रकार के आर्थिक गतिविधियों में संलग्न नहीं थे जबकि औपचारिक व्यापार से जुड़ी महिला व्यापारी पूर्व से ही आर्थिक गतिविधियों में संलग्न थी। इस सर्वेक्षण से स्पष्ट होता है कि औपचारिक व्यापार की तुलना में अनौपचारिक व्यापार में महिलाओं की सहभागिता अधिक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. https://www.mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/6379/Treaty+of+Trade+and+Transit
2. https://mea.gov.in
3. http://ssb.nic.in
4. https://pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1788009
5. https://www.dgft.gov.in/CP/
6. https://www.dgft.gov.in/CP/?opt=iec-profile-management
7. Njikam Ousmanou and Tchouassi Gerard "Women in informal cross-border trade: Evidence from the Central Africa Region''(November 2010)
8. Njkam Ousmanou "Women in Informal Cross Border Trade: Empirical Evidence from Cameroon'' (August 2011)
9. SAWTEE Report "The Kathmandu Post,Women Highly Active in Informal Trade With India: SAWTEE Report''(19 February 2020)
10. Taneja Nisha,&Pohit Sanjib "Characteristics Of India's Informal & Formal Trading With Nepal: A Comparative Analysis''(February 2002)

****